सत्य और असत्य का भेद स्पष्ट हो जाता है।"

Descartes के दर्शन में ~~संशयरहित~~ स्पष्टता (Clear) तथा विविक्तपूर्णता (Distinct) को ही प्रमाणिक ज्ञान का कसौटी माना गया है। उनके स्पष्टता शब्द का प्रयोग "आभास" रूप से अनुभव किए जाने के अर्थ में किया है। इसके अन्तर्गत सत्य विषय बुद्धि के समक्ष अपरोक्ष रूप से उपस्थित हो जाता है। इसके अतिरिक्त विविक्तपूर्ण वह है जो इतना निश्चित हो कि, इसके अन्तर्गत केवल उतनी ही बातें शामिल हो जितनी कि उसको जानने वाला उसे स्पष्ट रूप में देखता और समझता हो। अर्थात जो स्वतः जाना जा सके वह विविक्तपूर्ण है। जो ज्ञान स्पष्ट (Clear) और विविक्तपूर्ण (Distinct) न हो उसे प्रमाणिक या निश्चित ज्ञान (Certain Knowledge) नहीं कहा जा सकता है। इसी आधार पर Descarte प्रमाणिक ज्ञान या निश्चयात्मक सत्य की खोज करने का प्रयत्न किये तथा साथ-अपनी पुस्तक Discourse on method में Descartes संशय की कुल 14 पद्धतियों की चर्चा करें जिसमें चार सर्वाधिक महत्वपूर्ण है-

ही जो ज्ञान के सभी प्रमाण पर संदेह करो

1) उनके अनुसार हम तब तक किसी तथ्य को सत्य स्वीकार नहीं करें जब तक उसे स्पष्टतापूर्वक जान न लें।
2) अपने तर्क के समस्या को, हर संभव खण्डों में बाँट कर अध्ययन करें।
3) विचारों को क्रमिक बनाये रखने के लिए सरल बुद्धिग्राह्य तथ्यों से आरंभ करके क्रमशः धीरे-धीरे जटिल तथ्यों की ओर प्रस्थान करें।

B.A-III

Method - Descartes

Dr. B. Kashyap

Descartes ज्ञानमीमांसीय दृष्टिकोण से बुद्धिवादी तथा तत्वमीमांसीय दृष्टिकोण से ईश्वरवादी दार्शनिक हैं। इन्होंने दार्शनिक चिंतन में मतभेदों को दूर करने के लिए एक विधि दी जिसे संशय की विधि (Method of Doubt) कहा जाता है। इनके अनुसार पद्धति का अर्थ - "वे निश्चित सरल नियम हैं जिनके पालन से सत्य और असत्य का भेद स्पष्ट हो जाता है।" ये नियम 19 हैं परन्तु इनमें चार सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं -

1) उनके अनुसार इन तत्वक

Descartes को आधुनिक युग में बुद्धिवादी विचारधारा का प्रवर्तक माना जाता है। उनके समालोचकों तथा प्रशंसकों ने उनकी उसे आधुनिक दर्शन ... दार्शनिक पद्धति के कारण है। उनका लक्ष्य दर्शन के क्षेत्र में व्याप्त मतभेदों एवं अनिश्चितताओं को दूर कर उसमें गणित के समान निश्चितता लाना था इस कारण दार्शनिक पद्धति में वे आगमनात्मक पद्धति की अपेक्षा निगमनात्मक पद्धति को अधिक महत्व देते हैं।

Descartes की दार्शनिक पद्धति को संशयात्मक पद्धति (Method of Doubt) कहा जाता है। इनके अनुसार पद्धति का अर्थ - "वे निश्चित और सरल नियम हैं जिनके पालन से